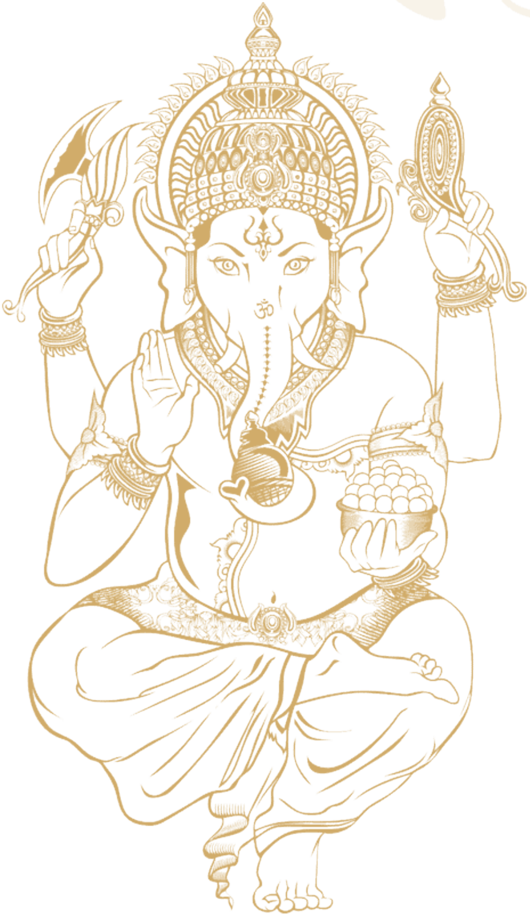

Mr.Rajeswari

22 Jun 1995

03:20 PM

Jaipur

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**22/06/1995**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**15:20:00 घंटे**
इष्ट	24:25:49 घटी
स्थान	**Jaipur**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	26:53:00 उत्तर
रेखांश	75:50:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:26:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	14:53:20 घंटे
वेलान्तर	-00:01:49 घंटे
साम्पातिक काल	08:53:47 घंटे
सूर्योदय	05:33:40 घंटे
सूर्यास्त	19:23:20 घंटे
दिनमान	13:49:40 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	06:43:51 मिथुन
लग्न के अंश	14:35:59 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अश्विनी - 2**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	अतिगण्ड
करण	विष्टि
गण	देव
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	सिंह
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	चे-चेतना
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कर्क

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	14:35:59	313:13:36	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	केतु	---
सूर्य			मिथु	06:43:51	00:57:15	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	राहु	सम राशि
चंद्र			मेष	05:19:08	12:05:37	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	मंगल	सम राशि
मंगल			सिंह	19:55:08	00:31:54	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	राहु	मित्र राशि
बुध			वृष	17:01:22	00:23:41	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	शनि	मित्र राशि
गुरु	व		वृश्चि	14:10:48	00:06:33	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	मित्र राशि
शुक्र			वृष	20:29:22	01:13:10	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	स्वराशि
शनि			मीन	00:47:36	00:01:24	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	मंगल	सम राशि
राहु			तुला	10:22:27	00:00:30	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	गुरु	मित्र राशि
केतु			मेष	10:22:27	00:00:30	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	शनि	मित्र राशि
हर्ष	व		मक	05:48:22	00:02:00	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	---
नेप	व		मक	01:00:40	00:01:26	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	राहु	---
प्लूटो	व		वृश्चि	04:35:16	00:01:20	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	---
दशम भाव			कर्क	17:11:43	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:47:47

लग्न-चलित

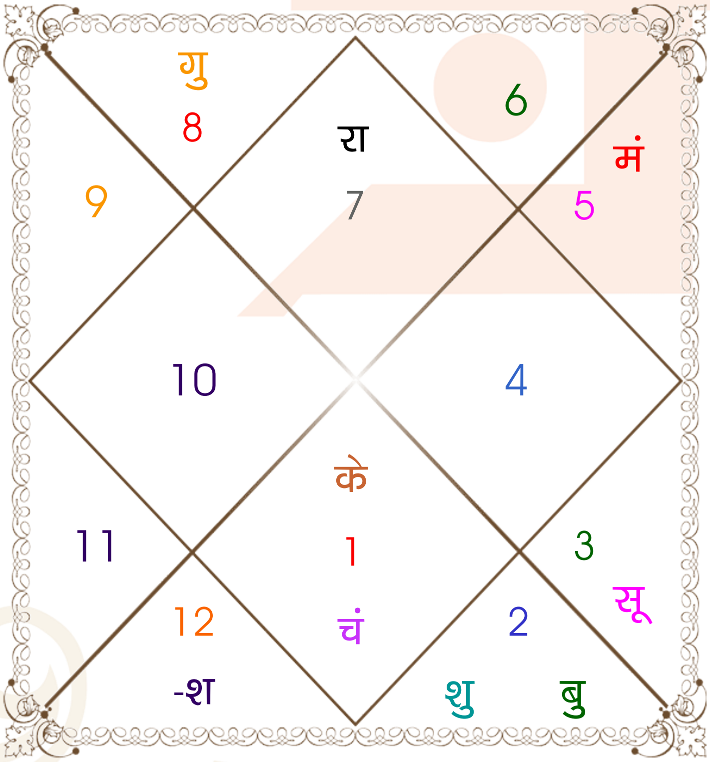

चन्द्र कुंडली

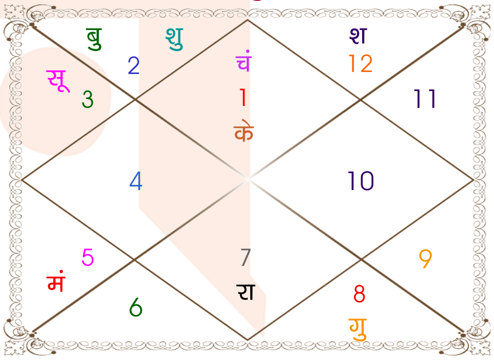

नवमांश कुंडली

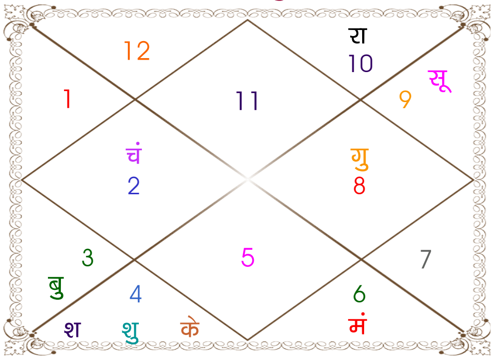

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 4 वर्ष 2 मास 14 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
22/06/1995		06/09/1999		06/09/2019		05/09/2025		06/09/2035	
06/09/1999		06/09/2019		05/09/2025		06/09/2035		06/09/2042	
	00/00/0000	शुक्र	05/01/2003	सूर्य	25/12/2019	चंद्र	07/07/2026	मंगल	02/02/2036
	00/00/0000	सूर्य	06/01/2004	चंद्र	24/06/2020	मंगल	05/02/2027	राहु	20/02/2037
	00/00/0000	चंद्र	05/09/2005	मंगल	30/10/2020	राहु	06/08/2028	गुरु	27/01/2038
	22/06/1995	मंगल	06/11/2006	राहु	24/09/2021	गुरु	06/12/2029	शनि	07/03/2039
मंगल	07/08/1995	राहु	05/11/2009	गुरु	13/07/2022	शनि	07/07/2031	बुध	04/03/2040
राहु	24/08/1996	गुरु	06/07/2012	शनि	25/06/2023	बुध	06/12/2032	केतु	31/07/2040
गुरु	31/07/1997	शनि	06/09/2015	बुध	30/04/2024	केतु	07/07/2033	शुक्र	30/09/2041
शनि	09/09/1998	बुध	07/07/2018	केतु	05/09/2024	शुक्र	07/03/2035	सूर्य	05/02/2042
बुध	06/09/1999	केतु	06/09/2019	शुक्र	05/09/2025	सूर्य	06/09/2035	चंद्र	06/09/2042

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
06/09/2042		05/09/2060		05/09/2076		06/09/2095		06/09/2112	
05/09/2060		05/09/2076		06/09/2095		06/09/2112		00/00/0000	
राहु	19/05/2045	गुरु	24/10/2062	शनि	09/09/2079	बुध	02/02/2098	केतु	02/02/2113
गुरु	12/10/2047	शनि	07/05/2065	बुध	19/05/2082	केतु	30/01/2099	शुक्र	04/04/2114
शनि	18/08/2050	बुध	13/08/2067	केतु	28/06/2083	शुक्र	01/12/2101	सूर्य	10/08/2114
बुध	07/03/2053	केतु	19/07/2068	शुक्र	28/08/2086	सूर्य	07/10/2102	चंद्र	11/03/2115
केतु	25/03/2054	शुक्र	20/03/2071	सूर्य	10/08/2087	चंद्र	08/03/2104	मंगल	23/06/2115
शुक्र	25/03/2057	सूर्य	06/01/2072	चंद्र	10/03/2089	मंगल	05/03/2105		00/00/0000
सूर्य	17/02/2058	चंद्र	07/05/2073	मंगल	19/04/2090	राहु	22/09/2107		00/00/0000
चंद्र	19/08/2059	मंगल	13/04/2074	राहु	23/02/2093	गुरु	28/12/2109		00/00/0000
मंगल	05/09/2060	राहु	05/09/2076	गुरु	06/09/2095	शनि	06/09/2112		00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 4 वर्ष 2 मा 20 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के तृतीय चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर कुंभ राशि का नवमांश एवं कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। तुला प्रभावित स्वरूप के अनुसार अनुकूल जन्म बिंदु यह सुनिश्चित करता है कि आपका जीवन उत्तम फलदायी रहेगा। साथ-साथ यह भी संकेत प्राप्त हो रहा है कि स्वयं ही कोमल भावनाओं से तप्त पथ पर चल कर मुसीबतों का सामना करना पड़ेगा।

स्वाती नक्षत्र एवं तुला राशि यह निर्देशित करता है कि आप स्वास्थ्य धन एवं प्रसन्नता के दृष्टि से सौभाग्यशाली है। परंतु कुंभ नवमांशदिक प्रभाव से यह दृश्य हो रहा है कि आप स्वभाव से डरपोक एवं द्विस्वभात्मक विचार के महिला हैं। यह आपकी प्रतिभा के समतुल्य नहीं है। इससे आपका साहस विश्वसनीयता, छवि, सत्यनिष्ठा एवं न्याय प्रियता में समानता नहीं हो रही है। आपको इस संभव नकारात्मक प्रवृति पर सफलता प्राप्त करनी चाहिए।

ऐसा हो सकता है कि आप व्यक्तिगत रूप से अपने पति के प्रति श्रद्धावान होकर उसको प्रसन्न रखने के लिए वासनामय प्यार दे सके। ऐसी भी संभावना है कि आप अपने गुण के अनुरूप अपने जीवन साथी को संतुष्ट करने के लिए किसी भी प्रकार से सामंजस्य स्थापित कर ले। परंतु जब ऐसा प्रदर्शन करने का मौका मिले तो वासनात्मक ज्यादती किसी भी विपरीत योनि के साथ करने की भावना से मिथ्याचारी प्रदर्शन कर के आप अंदर से कुछ और बाहर से कुछ और हैं ऐसा प्रमाण प्रस्तुत कर दे। आप सामान्यतः विपरीत योनि के प्रति विख्यात प्राणी है। आप प्रेम प्रसंग एवं वासनात्मक तृप्ति हेतु कामातुर होकर संतुष्टि प्राप्ति कर सकती हैं। इस प्रकार की प्रवृति आपको अन्दर से कुछ और तथा बाहर से कुछ और रूप में प्रस्तुत करती है।

यह बहुत उत्तम हो कि आप इस प्रकार के प्रसंग का निषेध कर अपनी संगिनी के प्रति विश्वासपात्र बनें। इस प्रकार की सदभावना पूर्ण कार्य कलाप से आपकी पारिवारिक व्यवस्था सुदृढ़ हों तथा आपके समझदार पति एवं सुंदर संतान युक्त परिवार में प्रसन्नता का सृजन हो जाए।

आपका जीवन सामान्यतः आपके कठिन श्रम युक्त एवं आपकी कुशाग्र बुद्धि के कारण उत्तम रहेगा। क्योंकि आप अत्यंत धन व्यय कर अपने परिवार को व्यवस्थित रखेंगी। आपके जीवन के इस वर्ष की अवस्था से 35 वर्ष की आयु तक का समय पूर्ण रूपेण धनमात्र के लिए महत्वपूर्ण रहेंगे। जिस वजह से आप मुक्त हस्त से धन का व्यय नहीं करेंगी। बल्कि आप सदैव भवन को आकर्षित बनाने में आधुनिक साज शय्याओं एवं कलात्मक ढंग से सजाने पर भी धन का व्यय करेंगी। अन्य शब्दों में आपके आय की आंशिक राशि आपके सम्मिलित होने कारण व्यय होगी। अंत में परिणाम यह होगा कि आपकी वृद्धा अवस्था में धन का अभाव हो जाएगा तथा आपके पास मात्र काम चलाऊ धन राशि शेष रह जाएगी। आपकों अपनी वृद्धावस्था के लिए सदैव ही स्वास्थ्य संबंधी कुछ सावधानी बरतनी चाहिए। आप निःसंदेह उत्तम स्वास्थ्य का आनंद हर परिस्थिति में अच्छी प्रकार से प्राप्त करेंगी। लेकिन कुछ वर्षों के पश्चात्

नाजुक परिस्थिति में कतिपय रोग यथा चर्म रोग, तथा मूत्र संबंधी रोगादि से प्रभावित होने की आशंका है। अतः आपको इन रोगों के प्रति पूर्व ही सावधानी बरतनी चाहिए।

आप अपने कार्य-कलाप में उन्नति हेतु संबंधित अनुकूल अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक उपयुक्त है। परंतु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक आपके लिए अनुपयुक्त एवं प्रतिकूल हैं। अस्तु अनुपयुक्त अंको का व्यवहार न करें

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।